

भगवान् बदल के क्या होगा

मंदिर मस्जिद गुरुद्वारे को नदान बदल के क्या होगा
अगर श्रधा नहीं विस्वाश नहीं भगवान् बदल के क्या होगा

जब कण कण में वो व्यापत है क्यों ढूंढे उसे मंदिर मस्जिद,
अपने भीतर तू झाँक जरा बेठा है तेरे मन के अन्दर
तू राम का कर या रहीम का कर गुणगान बदल के क्या होगा
अगर श्रधा नहीं विस्वाश नहीं भगवान् बदल के क्या होगा

क्या होगा ज्योत जलाने से अगर मन में ढोर अँधेरा है,
तू लाख बदल चोले तन पे मन का दर्पण तेरा चेहरा है
कर देगा व्यान हकीकत ये पहचान बदल के क्या होगा
अगर श्रधा नहीं विस्वाश नहीं भगवान् बदल के क्या होगा

पोंछे न किसी के आंसू अगर दुखियो के दर्द बताये न.
किसी घ्याल मन के झख्मो पर तूने मरहम अगर लगाये न
फिर दास भला तेरी पूजा का समान बदल के क्या होगा
अगर श्रधा नहीं विस्वाश नहीं भगवान् बदल के क्या होगा

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18307/title/bhagwan-badal-ke-kya-hoga>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |